कर्नाटक: (1) ग्राम कुम्बारोकोपल्लू-ज़िला मैसूर: • ट्यूबवैल निर्माण के साथ पानी स्टोरेज टैंक द्वारा पेयजल की स्थाई व्यवस्था • हरिजन बस्ती के घरों में पक्के शौचालयों का निर्माण • गांव में सड़कों एवं नालियों का निर्माण **(2) ग्राम कटगल-ज़िला उत्तरा कन्नडा** • हरिजन बस्ती के हैंडपंपस् एवं वाटर स्टोरेज टैंक का नवीनीकरण कर पेयजल की स्थाई व्यवस्था • बस स्टैण्ड के 2 स्थानों पर यात्री विश्राम स्थल • लघुवाटिकाएँ • सब्जी विक्रेताओं के विक्रय स्थल विकसित किये • शासकीय विद्यालयों के कक्षों का नवीनीकरण कर पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था तथा पुस्तकालय की सुविधा।

आंध्र प्रदेश: ग्राम कडुमु-ज़िला श्रीकाकुलम: • पुराने हैंड पंप का नवीनीकरण एवं हैंडपंप के पक्के प्लेटफार्म बनाकर पेयजल की व्यवस्था में सुधार • गांव में कचरा निस्तारण की स्थाई व्यवस्था एवं पक्की नालियों का निर्माण • विद्यार्थियों के लिए स्थाई एवं सुविधाजनक स्टडी-सेन्टर की व्यवस्था।

तेलंगाना: ग्राम एकलासपुर-ज़िला मेहबूबनगर: • गांव के 3 स्थानों पर पानी की पक्की टंकियों का निर्माणकर स्थाई पेयजल की व्यवस्था • सड़कों एवं नालियों सहित 60 घरों में पक्के शौचालय का निर्माण • सार्वजनिक सामुदायिक भवन का निर्माण (महिलाओं के लिये सिलाई प्रशिक्षण, विद्यार्थियों के लिए स्टडी-सेंटर)।

उड़ीसा: (1) ग्राम कांताबनिया-ज़िला पुरी: • हरिजन बस्ती के सभी घरों का नवीनीकरण (दीवारों का प्लास्टर, छतों की जी.आय. की नवीन शीट) • सामुदायिक स्नानागार एवं शौचालयों का निर्माण • सार्वजनिक मंदिर एवं सभाग्रह का जीर्णोद्धार • महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की स्थाई व्यवस्था **(2) ग्राम बारापल्ला-ज़िला नवागढ़:** • पेयजल की स्थाई व्यवस्था (ट्यूबवैल एवं पानी की टंकी) • 10 घरों में शौचालयों का निर्माण • गलियों में स्ट्रीटलाईट की व्यवस्था • रोजगार निर्माण हेतु पत्तल-दोने बनाने की मशीन उपलब्ध कराई गई।

बिहार: ग्राम आमवा ज़िला पूर्वी चम्पारन (मोतीहारी): • 2 स्थानों पर हैंडपंप द्वारा पेयजल की स्थाई व्यवस्था • गांव के 3 मोहल्लों में पक्की नालियों का निर्माण • सोलरलाईट की व्यवस्था।

पश्चिम बंगाल: ग्राम इलसोबा-ज़िला हुगली: • हैंडपंप द्वारा पेयजल की स्थाई व्यवस्था • सामुदायिक भवन का नवीनीकरण • विद्यालय भवन का नवीनीकरण • शौचालय, खेल का मैदान एवं पहुँच मार्ग का निर्माण तथा शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु कम्प्यूटर/फर्नीचर की व्यवस्था।

त्रिपुरा: ग्राम चम्पामुरा-ज़िला पश्चिम त्रिपुरा: • 6 नए हैंड पंप लगाकर पेयजल की स्थाई व्यवस्था एवं तालाब जीर्णोद्धार।

आसाम: ग्राम बरनारीकला-ज़िला बोंगाईगांव: • सभी घरों में हैंडपंप लगाकर पेयजल की स्थाई व्यवस्था एवं तालाब की गहरीकरण कर मछलीपालन की सुविधा • सामुदायिक भवन, शौचालय, स्नानागार एवं पहुँचमार्ग का निर्माण तथा मुक्तिधाम का विकास।

हमें यह ध्यान में रखना होगा कि गाँव बचेगा तो देश बचेगा।

भारत विकास परिषद्

भारत विकास भवन, बी.डी. ब्लाक, पावर हाउस के पीछे, पीतमपुरा, दिल्ली-34
दूरभाष : 011-27313051, 27316049 फैक्स : 011-27314515
ई मेल : bvp@bvpindia.com वेबसाइट : www.bvpindia.com

भारत विकास परिषद् के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए परिषद् की वेबसाइट www.bvpindia.com को देखें।

Printed by : Yashika Printers # 9818383198

सम्पर्क ✦ सहयोग ✦ संस्कार ✦ सेवा ✦ समर्पण

भारत विकास परिषद्
Bharat Vikas Parishad
समग्र ग्राम विकास योजना

भारत विकास परिषद् प्रकाशन

स्वस्थ-समर्थ-संस्कारित भारत ❖ Swasth-Samarth-Sanskarit Bharat

समग्र ग्राम विकास योजना

'हे मेरा हिन्दुस्तान कहाँ, वह बसता हमारे गाँवों में' एवं 'भारत माता ग्राम बासिनी' स्वतंत्रता से पूर्व लिखी ये पंक्तियाँ आज भी उतनी ही सच हैं, जितनी 67 वर्ष पूर्व थी। अन्तर इतना ही आया है कि उस समय देश की 85% जनसंख्या गाँवों में रहती थी और आज 68% भारतवासी देश के 6,40,867 गाँवों में रहते हैं। स्पष्ट है कि भारत गाँव प्रधान देश है और गाँवों के विकास की कल्पना एवं प्रयास के बिना देश की उन्नति की प्रत्येक योजना अर्थहीन रहेगी और देश के सर्वांगीण विकास का प्रत्येक सपना अधूरा रहेगा।

गाँवों के विकास के लिये भारत विकास परिषद् की ओर से इस समय दो योजनाएँ चलाई जा रही हैं - एक है समग्र ग्राम विकास योजना एवं दूसरा ग्राम बस्ती विकास योजना। समग्र ग्राम विकास योजना ग्रामीण क्षेत्र में 'मानव विकास' की अवधारणा पर आधारित है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में जनशक्ति के भौतिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास की परिकल्पना के सन्दर्भ में ग्रामों में आधारभूत सुविधाओं को निर्मित एवं विकसित करने पर ज़ोर दिया गया है। परिषद् की समग्र ग्राम विकास योजना में अप्रवासी भारतीयों के योगदान की विशिष्ट भूमिका रही है और कनाडा के डा. शिव जिन्दल दम्पत्ति द्वारा प्रवर्तित जिन्दल फाउण्डेशन कनाडा का स्थायी सहयोग मिल रहा है।

समग्र ग्राम विकास योजना में चयनित गाँवों में निम्न मूल-भूत सुविधाओं के विकास को आधार बनाया गया है:

- **पीने का स्वच्छ जल:** भारतीय गाँवों में जल उपयोग पर आधारित बीमारियाँ बहुत सामान्य हैं अत: पीने एवं पकाने के लिये स्वच्छ जल का प्रयोग अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस दृष्टि से यह प्रयास किया जाता है कि टयूबवैल एवं हैण्ड पम्प लगाये जायें, गाँव में जो कुएँ बने हुए हैं, उन्हे गहरा किया जाये तथा भू-गर्भ जल का स्तर उठाने के लिये तालाब बनाये जायें।
- **स्वच्छता:** खराब शौच सुविधायें, जल-भराव, गलियों में कूड़ा-करकट एवं दैनिक व्यवहार में अच्छे नागरिक व्यवहार का पालन न करने से पर्यावरण दूषित होता है। इस सन्दर्भ में योजना यह है कि घरों में, सार्वजनिक स्थानों में तथा स्कूलों में शौचालयों का निर्माण किया जाये। गन्दे पानी के निकास का प्रबन्ध एवं गाँवों में पक्की नालियों का निर्माण कराया जाये। कूड़े को इक्ट्ठा करने एवं उसे समुचित रूप से फैंकने की दृष्टि से डस्ट बिनो का प्रबन्ध कराया जाये।
- **पर्यावरण:** स्वच्छता की कमी, मकानों में उचित वैन्टीलेशन का अभाव, धूल और धूयें से वायु प्रदूषण तथा कटते हुए पेड़ों एवं वनों से पर्यावरणीय समस्या गंभीर बन रही है। अत: समग्र ग्राम विकास के अन्तर्गत वृक्षारोपण को प्रोत्साहन तथा वृक्षों एवं वनों की रक्षा के लिये ग्रामवासियों में चेतना जाग्रत करने पर जोर दिया जाता है।
- **शिक्षा:** इस दिशा में यह प्रयास रहता है कि गाँवों में कम से कम प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा 8 तक) का प्रबन्ध अवश्य हो। विद्यालय के लिये भवन, छात्रों के बैठने के लिये पर्याप्त फर्नीचर तथा बच्चों के लिये पुस्तकों, लेखन सामग्री, यूनीफार्म एवं जूतों के प्रबन्ध कराये जाएं। साथ ही बच्चों के पौष्टिक आहार की उचित व्यवस्था की जाये।
- **रोज़गारपरक प्रशिक्षण:** गाँव या उसके आस-पास ऐसे प्रशिक्षण का प्रबन्ध हो, जिससे गाँव के युवक एवं युवतियों को रोज़गारपरक प्रशिक्षण मिल सके। इसमें कम्प्यूटर प्रशिक्षण, टी.वी., मोबाइल, स्कूटर आदि की मरम्मत, सिलाई - कढ़ाई, मधुमक्खी पालन, डेयरी फार्मिंग इत्यादि शामिल हैं।

जिन्दल फाउण्डेशन के सहयोग से चल रही समग्र ग्रामविकास योजना में चयनित प्रत्येक गाँव के विकास के लिये 18-20 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जाती है। **इस योजना के अन्तर्गत अब तक 31 गाँवों में विकास प्रारम्भ करने की पहल की गई है। इनमें से निम्न गाँवों में यह कार्य हो चुका है।**

जम्मू व कश्मीर: ग्राम रामपुर गढ़वाल-ज़िला साम्बा: • शासकीय विद्यालय में बोरवेल लगाकर पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था के साथ बाउंड्रीवाल का निर्माण • गांव के तालाब का सौन्दर्यीयकरण एवं गलियों की सड़कों तथा नालियों का निर्माण • 18 घरों में शौचालय का निर्माण • महिलाओं के लिये सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था।

हिमाचल प्रदेश: ग्राम खजियार ज़िला-चम्बा: • शासकीय विद्यालय में कक्ष, शौचालय एवं खेल के मैदान के साथ ही सीमेंटेड पहुँच मार्ग का निर्माण • विद्यालय में पीने के पानी की स्थाई व्यवस्था एवं भवन का नवीनीकरण।

पंजाब: (1) ग्राम दुनेरा-ज़िला पठानकोट: • बस स्टैण्ड पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण • शासकीय विद्यालय का नवीनीकरण (शौचालय, खेल का मैदान, बाउन्ड्रीवाल एवं पेयजल की व्यवस्था) • गांव की गलियों का सीमेंटीकरण • नालियों एवं प्रवेश द्वार का निर्माण **(2) ग्राम लोहाटबड्डी-ज़िला लुधियाना:** • पीने के पानी के लिये 3 वाटरस्टोरेज टैंक का निर्माण • गांव की सभी सड़कों एवं नालियों तथा शासकीय विद्यालय के कक्षों की रिपेयरिंग की गई • विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर कई वृक्ष बड़े किये गए **(3) ग्राम धार-ज़िला पठानकोट:** • बस स्टैण्ड पर सार्वजनिक शौचालय/स्नानागार का निर्माण।

हरियाणा: ग्राम मोहब्बतपुर-ज़िला हिसार: (राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2008 के निर्मल ग्राम पुरूस्कार से सम्मानित।) • घरों में शौचालयों का निर्माण • गलियों की सड़के एवं नालियों का सीमेंटीकरण • महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र • मुक्तिधाम का विकास।

उत्तरप्रदेश: ग्राम सुन्दर नगर (फज़लपुर)- ज़िला बागपत: • गांव में गलियों की सड़क एवं नालियों का पुनर्निर्माण • सीवरलाईन की व्यवस्था • तालाब का सौन्दर्यीकरण • विद्यालय में खेल मैदान एवं पक्के स्वागत प्रवेश द्वार का निर्माण • महिलाओं के सिलाई/कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था।

राजस्थान: (1) ग्राम कालीवास-ज़िला उदयपुर: • पेयजल के लिये ट्यूब वैल का निर्माण • परंपरागत कुँओं का जीर्णोद्धार द्वारा कृषि कार्य के लिए सिंचाई की व्यवस्था • शासकीय विद्यालय में ट्यूबवैल सहित वाटर स्टोरेज टैंक द्वारा पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था • घरों में वेंटीलेशन एवं धुँएरहित चूल्हों की व्यवस्था • महिलाओं के लिए सिलाई के प्रशिक्षण की व्यवस्था **(2) ग्राम भीलुड़ी-ज़िला डुंगरपुर:** • गांव के 10 घरों में शौचालय का निर्माण • शासकीय विद्यालय के कक्षों एवं फर्नीचर की रिपेयरिंग • खेल मैदान का निर्माण • पेयजल की स्थाई व्यवस्था तथा शौचालय का निर्माण • वृक्षारोपण ट्रीगार्ड सहित • महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था **(3) ग्राम घाटा का गांव-ज़िला डुंगरपुर:** • मुक्तिधाम का विकास **(4) ग्राम सिंगावल-ज़िला अजमेर:** • 30 घरों में पक्के शौचालयों का निर्माण • वृक्षारोपण-ट्रीगार्ड सहित पौधा रोपण **(5) ग्राम माथना-ज़िला बांरा:** • शासकीय विद्यालय में शौचालय एवं पहुँच मार्ग का निर्माण।

महाराष्ट्र: ग्राम खरोली-ज़िला नासिक: • गांव के पुराने कुँए का जीर्णोद्धार कर सबमर्सीबलपम्प एवं स्टोरेज टैंक के साथ पेयजल की स्थाई व्यवस्था • शासकीय विद्यालय में शौचालय एवं खेल मैदान का निर्माण • 65 घरों में शौचालयों का निर्माण • प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र का विकास।